



स्कूल शिक्षा मंत्री द्वारा आन-डिमांड बहु-भाषा शिक्षण पर आनलाईन कोर्स का शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

21 फरवरी, 2023 को छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सहि टेकाम ने अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दविस पर ज़िला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों के लिये ऑनलाईन डिमांड बहु-भाषा शिक्षण हेतु ऑनलाईन कोर्स का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- इसके अलावा स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सहि टेकाम ने राज्य में भाषायी सर्वे के आधार पर बच्चों को बहु-भाषा शिक्षण देने के लिये शिक्षकों के लिये पठन सामग्री का वमिोचन किया। साथ ही बच्चों को उनकी स्थानीय भाषा में कहानी सुनाने के लिये पॉडकास्ट का उपयोग करने हेतु शिक्षकों का ऑन डिमांड कक्षमता संवर्धन कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया।
- उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा राज्य में स्कूली बच्चों को उनकी स्थानीय भाषा में शिक्षा देने की घोषणा की गई है, जिसके आधार पर मातृभाषा शिक्षण पर वभिन्न कार्य प्रारंभ किये गए हैं, इसका लाभ राज्य में आदवासी अंचल के बच्चों को मलि रहा है।
- छत्तीसगढ़ पहला राज्य है जहाँ लैंग्वेज एंड लर्नगि फाउंडेशन (एल.एल.एफ.) और यूनसिफ के सहयोग से भाषायी सर्वेक्षण का कार्य भी पूरा किया गया है। ऐसे में अब जब कक्षाओं में बच्चों को सीखने में स्थानीय भाषा का उपयोग किया जाना है, तो स्कूल शिक्षा वभिण के अधिकारियों के लिये ऑनलाईन कोर्स का शुभारंभ किया गया है।
- छत्तीसगढ़ पहला राज्य है जसिने बच्चों द्वारा बोली जाने वाली भाषा पर आधारित भाषायी सर्वे किया है। इस रिपोर्ट को समझने एवं स्कूलों में शिक्षकों को बहुभाषा संबंधी वभिन्न मुद्दों पर जानकारी देने हुए शिक्षण वधियों में आवश्यक सुधार लाने हेतु समग्र शिक्षा की ओर से संदर्भ सामग्री तैयार की गई है। यह सामग्री प्राथमिक स्कूलों के शिक्षकों को उपलब्ध करवाई जाएगी।
- राज्य में वर्तमान में शिक्षकों की एक टीम द्वारा प्रतमिह चर्चा पत्र को पॉडकास्ट के रूप में प्रकाशित किया जाता है, जसि शिक्षक बड़ी रूचि से सुनते हैं और उसमें कही गई बातों को अपनी-अपनी कक्षा में लागू करने का प्रयास करते हैं।
- इसी कड़ी में कुछ वशिषज्ज शिक्षकों, कुछ स्थानीय भाषा के जानकार शिक्षकों एवं कुछ बाह्य संस्थाएँ जो इस कार्य में सहयोग देना चाहते हों, उनके साथ मलिकर वभिन्न स्थानीय कहानियों का संकलन, उन पर पॉडकास्ट बनाना, बाद में चयनित कुछ कहानियों का प्रटि वर्जन भी साझा करना जैसे कार्य इस टीम के साथ मलिकर किये जाएंगे।
- इस कार्य के लिये इच्छुक लोगों की टीम सोशल मीडिया के माध्यम से बनाई जाएगी। इन पॉडकास्ट को स्कूलों में शिक्षकों द्वारा मोबाइल, प्राथमिक शालाओं में उपलब्ध स्पीकर आदि का उपयोग कर इस्तेमाल में लाया जा सकेगा। इस पॉडकास्ट को सुनकर बच्चे अपने संस्कृत, इतिहास एवं परंपराओं को जानकार आत्म गौरवान्वति हो सकेंगे।
- पॉडकास्ट नरिमाण में तकनीकी समर्थन, इनके कक्षाओं में उपयोग हेतु उपकरण की आवश्यकता के आधार पर मांग एवं समर्थन हेतु 'वदियांजली' पोर्टल पर भी इसे अपलोड किया जाना प्रस्तावति है।